

वीर शिरोमणि दुर्गादास राठौड़ राजस्थानी कथा लिरिक्स



वीर शिरोमणि दुर्गादास राठौड़ कथा,

दोहा – आस करण करणोत सुत,
निज कुल भान ऊजास,
भंवर हुवो एडो नही,
वाह वाह दुर्गादास ।

भाले पर आभो राखनीयो ओ हो,
भालो पर आभो राखनीयो,
वो दुर्गादास राठौड़ कटे,
वो वीरा रो सिरमौर कटे,
वो बडबांको बेजोड़ कटे,
वो दुर्गादास राठौड़ कटे,
वैर्या री नींद उडावनीयो ओ हो,
वैर्या री नींद उडावनीयो,
वो रणबंको राठौड़ कटे,
वो वीरा रो सिरमौर कटे,
वो बडबांको बेजोड़ कटे,
वो दुर्गादास राठौड़ कटे।bd।

जिनरे घोडे री टापा सुन,
जिन घोडे री टापा सुन,
वैर्या री भोम खिसक जाती,
दुश्मन घर सापो पड जातो ओ हो,
दुश्मन घर सापो पड जातो,
जबरा री नींद उचक जाती,
पुरबो जद बागा जातो हो,
पुरबो जद बागा जातो हो,
तो दिल्ली थरका खावे ही,
औरंग रो अमल उतर जातो,
शाही फौजा घबरावे ही,
अब कटे वीर वो रणरातो ओ हो,
अब कटे वीर वो रणरातो,
घोडे रा बाजता पोढ कटे,
वो वीरा रो सिरमौर कटे,
वो बडबांको बेजोड़ कटे,
वो दुर्गादास राठौड़ कटे।bd।



औरंगा फरमान सुनाया के,
औरंगा फरमान सुनाया के,
इतलावो राजकुमारा ने,
के शाही हर माई रेसी,
के शाही हर माई रेसी,
ओ हुक्म हुवो सिरदारा ने,
औरंग री टेडी चाला सु ओ हो,
औरंग री टेडी चाला सु,
पण दुर्गो रणचन घबरायो ओ हो,
जसवंत रा राजकुमारा ने,
वैर्या ने सेज बचा लायो,
वो रांगड साचो शूरवीर,
वो रांगड साचो शूरवीर,
अब उनरो कोई तोड़ कटे,
वो वीरा रो सिरमौर कटे,
वो बडबांको बेजोड़ कटे,
वो दुर्गादास राठौड़ कटे। bdl

औरंग रा पोता पोती ने,
औरंग रा पोता पोती ने,
तालीम धिन री दिरवाई,
अकबर री सहाय करी हरदम,
अकबर री सहाय करी हरदम,
मन कदेनी लायो निवलाई,
ओ नेम धर्म सतवादी,
नेम धर्म सतवादी,
वो स्वामी भगत खराको ओ,
इन सुदी बात सवाई रे,
वो शूरवीर बडबांको हो,
अब कटे रयी वो तरनाई,
अब कटे रयी तरनाई,
बाबा की मूँछ मरोड़ कटे,
वो वीरा रो सिरमौर कटे,
वो बडबांको बेजोड़ कटे,
वो दुर्गादास राठौड़ कटे। bdl

जद मरूधर राजघराने पर,
जद मरूधर राजघराने पर,
आफत री आंधी आयी है,
जद सूर्यवंश रा सूरज पर,
समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी आपने पावेगाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल
एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरूर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - <https://www.bhajandiary.com>



घनघोर घटा वा छाई ही,
उन मारवाड़ रा वंशज ने,
उन मारवाड़ रा वंशज ने,
नी फसन दीयो घाता मे,
सब राज काज री बागडोर सौपी,
अजीत रा हाथा मे,
अब कटे बसी स्वामी भक्ति,
अब कटे बसी स्वामी भक्ति,
अब उनरी कोई जोड़ कटे,
वो वीरा रो सिरमौर कटे,
वो बडबांको बेजोड़ कटे,
वो दुर्गादास राठौड़ कटे। bdl

आ घर खुशहाल नही होती,
आ घर खुशहाल नही होती,
खुलो आकाश नही होतो,
इतिहास दूसरो ही होतो,
इतिहास दूसरो ही होतो,
जै दुर्गादास नही होतो,
बन राजा जोगी अग नर जल,
बन राजा जोगी अग नर जल,
ए उंदी पाले प्रीत नही,
तो दुर्गो सबरा दाग गयो,
इन घर री आयी रित रही,
अलख दी वा है जगर मगर,
अलख दी वा है जगर मगर,
तो सूरज री ओड कटे,
वो वीरा रो सिरमौर कटे,
वो बडबांको बेजोड़ कटे,
वो दुर्गादास राठौड़ कटे। bdl

दोहा – ऊजल खत ऊजल वसल,
ऊजल चरती ऊजाल,
रयो उमर भर ऊजलों,
वाह वाह दुर्गादास ।

ओ आस करण रो लाडोसर,
ओ आस करण रो लाडोसर,
ओ साम धर्म रो प्रतिपालो,
ओ मरूधर रो साचो सेवक,

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इंटरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरूर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - <https://www.bhajandiary.com>



ओ मारवाड़ रो रखवालो,
जिनरे जसरा सुमन रणीया खरे,
जसरा सुमन रणीया खरे,
मंडीयोडा इतिहासा मे,
जिनरी किरत के कवि सरा,
इन धाते है आकाश मे,
आवो वीरत ने निवन करा,
आवो वीरत ने निवन करा,
फिर आसी ओ मोड कटे,
वो वीरा रो सिरमौर कटे,
वो बडबांको बेजोड़ कटे,
वो दुर्गादास राठौड़ कटे। bdl

आ मारवाड़ मरूधर माटी,
आ मारवाड़ मरूधर माटी,
शूरा वीरा री जामण है,
जिन दुर्गा जेडा पूत जण्या,
जिन दुर्गा जेडा पूत जण्या,
आ वा धरती बडबागन है,
तो हाथ जोड आ विनती है,
किरतार कृपा इतरी करदी जे,
जे फेर जन्म लो धरती पर,
तो मरूधर री माटी लिजे,
जो मारवाड़ री होड करे,
जो मारवाड़ री होड़ करे,
स्वर्गो मे एड़ी ठोर कटे,
वो वीरा रो सिरमौर कटे,
वो बडबांको बेजोड़ कटे,
वो दुर्गादास राठौड़ कटे। bdl

गायक – श्याम पालीवाल जी।
प्रेषक – मनीष सीरवी।
(रायपुर जिला पाली राजस्थान)
9640557818
